

अविकल वि. (तत्.) 1. ज्यों का त्यों, जो विकल अर्थात् अंगहीन या खंडित न हो, पूरा, पूर्ण, यथावत बिलो. विकल।

अविकल्प पुं. (तत्.) 1. संदेह का अभाव 2. विकल्प का अभाव 3. निश्चयात्मक स्थिति वि. विकल्प रहित, निश्चित।

अविकल्पी वि. (तत्.) जिसका कोई विकल्प न हो, विकल्परहित।

अविकल्पी परजीवी पुं. (तत्.) प्राणि. केवल जीवित कोशिका-द्रव्य से पोषण प्राप्त कर सकने वाला जीव, जिसके जीवित रहने का कोई अन्य साधन नहीं होता तु. विकल्पी परजीवी।

अविकसित वि. (तत्.) 1. जो विकसित न हुआ हो 2. न खिला हुआ (फूल या कली), अधखिला।

अविकसित देश पुं. (तत्.) दे. विकासशील देश, अल्पविकसित देश।

अविकार वि. (तत्.) जिसमें विकार न हो, विकार-रहित, निर्दोष, दोषरहित पुं. विकार के न होने की स्थिति या भाव बिलो. सविकार, विकार।

अविकारी वि. (तत्.) 1. जिसमें विकार न हो, विकारहीन, निर्विकार 2. जो किसी का विकार न हो बिलो. विकारी।

अविकार्य वि. (तत्.) 1. जिसमें विकार उत्पन्न न हो सकता हो 2. अपरिवर्तनीय, नित्य, शाश्वत।

अविकृत वि. (तत्.) जो बिगड़ा या बदला न हो, जो ज्यों का त्यों हो बिलो. विकृत।

अविकृति स्त्री. (तत्.) विकार का अभाव, मूल प्रकृति बिलो. विकृति।

अविक्रम वि. (तत्.) शक्तिहीन, दुर्बल, कमजोर पुं. भीरुता, कमजोरी, दुर्बलता बिलो. विक्रम।

अविक्रय पुं. (तत्.) बिक्री का न होना बिलो. विक्रय।

अविक्रांत वि. (तत्.) 1. जिससे अधिक बढ़ा हुआ (कोई) न हो 2. अतुलनीय, अनुपम 3. दुर्बल, कमजोर, शक्तिहीन बिलो. विक्रांत।

अविक्रेय वि. (तत्.) जो विक्रय या विपणन के योग्य न हो, जो बिक्री के लिए न हो बिलो. विक्रय।

अविक्षत वि. (तत्.) 1. जिसकी क्षति न हुई हो, किसी प्रकार की हानि न हुई हो 2. पूरा, पूर्ण, समग्र बिलो. विक्षत।

अविक्षिप्त वि. (तत्.) 1. जो विक्षिप्त न हो, जो पागल या घबराया न हो 2. एकाग्रचित्त 3. जो फेंका हुआ न हो बिलो. विक्षिप्त।

अविगत वि. (तत्.) 1. जो विगत न हो, जो गया या बीता न हो 2. जो जाना न जाए, अज्ञात 3. अनिर्वचनीय।

अविगति स्त्री. (तत्.) 1. अविगत होने का भाव, अज्ञानता 2. जिसकी गतिविधि अज्ञात हो।

अविग्रह वि. (तत्.) 1. बिना शरीर वाला, अशरीरी, अमूर्त 2. स्पष्ट रूप से ज्ञान न होने वाला 3. विग्रह-हीन, निर्विवाद पुं. 1. परब्रह्म परमात्मा 2. आत्मा व्या. वह समास जिसका विग्रह न हो सकता हो, नित्य समास।

अविघात वि. (तत्.) व्याघात या बाधा-रहित वि. निर्विघ्न पुं. विघ्न का न होना।

अविघ्न वि. (तत्.) जिस (कार्य आदि) में कोई विघ्न न हो, बिना विघ्न के, निर्विघ्न।

अविचल वि. (तत्.) जो विचलित न हो, स्थिर, अटल।

अविचलित वि. (तत्.) दे. अविचल।

अविचार पुं. (तत्.) 1. विचारहीनता, विचार का अभाव 2. अज्ञान, नासमझी, अविवेक 3. विचार वि. बिना विचारा हुआ, विवेक-रहित।

अविचारित वि. (तत्.) बिना विचारा हुआ, जिसके विषय में विचारा न गया हो बिलो. विचारित।

अविचारित तिथिनिर्धारण पुं. (तत्.) बिना सर्वमान्य आधार के किसी वस्तु, स्थान, रचना, रचनाकार, घटना आदि का समय निश्चित करना।